के हारे का सहारा यही है

जब कोई नहीं आता तब आता यही है,
माझी बन नइयाँ पार लगाता यही है,
के हारे का सहारा यही है,

आंथी और तूफ़ानों से लगता न डर,
दुनिया की अब मुझको को न फ़िक्र,
रेहमत की मुझपे बरसाते हो गई,
जबसे सांवरे से मुलाक़ात हो गई,
उलझन मेरी सारी सुलझाता यही है,
माझी बन नइयाँ पार लगाता यही है,
के हारे का सहारा यही है,

दर पे तेरे जब से आये है हम,
कभी न रुलाया खाके कहते कसम,
अपनों से जयदा मुझे प्यार मिल गया,
दर पे तेरे श्याम परिवार मिल गया,
प्रेमी से प्रेमी को मिलता यही है,
माझी बन नइयाँ पार लगाता यही है,
के हारे का सहारा यही है,

तेरा ये सरूर मेरे मन मे चढ़ा धीरे धीरे बाबा मैं भी आगे बड़ा,
भजनो को जब से मैं गाने लगा जीवन से मेरे अँधेरा जाने लगा,
डूबे सूरज को तो उगाता यही है,
माझी बन नइयाँ पार लगाता यही है,
के हारे का सहारा यही है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8978/title/ke-haare-ka-sahara-yahi-hai-jab-koi-nhi-aata-tab-aata-yahi-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |